सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 117 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 3 जून, 2023

मूल्य ₹ 3/-

भारत में हम बस मौत, बीमारी, आतंकवाद और अपराध के बारे में पढ़ते हैं।
-डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

प्रधानमंत्री बहुत जिद्दी... 2 | कांग्रेस-भाजपा में कड़ी टक्कर की... 3 | मान सरकार को कोर्ट का आदेश... 7

दर्दनाक ट्रेन हादसा

300 से ज्यादा मौतें, सैकड़ों घायल

» ओडिशा के बालासोर में हुई भीषण दुर्घटना

» दो ट्रेनें पटरी से उतरीं और मालगड़ी से टकरा गईं

» बचाव व राहत कार्य जारी, सेना बुलाई गई

» पीएम मोदी ने की हादसे को लेकर समीक्षा बैठक

» तमिलनाडु व बंगाल सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार की शाम हुए भीषण रेल हादसे में मृतकों का आंकड़ा 288 के पार हो गया है। वहीं 850 से ज्यादा लोग घायल हैं। इस घटना के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ओडिशा जाएंगे। इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी घटनास्थल पर पहुंचे थे और हालात का जायजा लिया था। हादसे की गंभीरता को देखते हुए युद्धस्तर पर बचाव और राहत कार्य चल रहे हैं और सेना को भी बचाव कार्यों में लगा दिया गया है। हादसे को लेकर पीएम मोदी ने बैठक भी बुलाई है। दो ट्रेनों के पटरी से उतरने और मालगड़ी से टकराने की वजह से यह हादसा हुआ। देर शाम चेन्नई जारी रही कोरोमंडल एक्सप्रेस, हावड़ा जा रही बेंगलुरु हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी भीषण हादसे का शिकार हो गई।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एलान किया है कि घटना में तमिलनाडु के प्रत्येक मृतक के परिवार को 5 लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये तमिलनाडु सरकार द्वारा दिए जाएंगे। इसके अलावा बचाव और राहत कार्य करने के लिए अतिरिक्त अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

घायलों से मिलने पहुंचे रेलमंत्री सीएम पटनायक व ममता

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बालासोर से बीजेपी सांसद प्रताप सारंगी ने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने अस्पताल पहुंचकर बालासोर ट्रेन हादसे में घायल हुए लोगों से मुलाकात की। वहीं बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी पहुंची।

कवच होता तो टल सकता था हादसा

रेल मंत्रालय ने पिछले साल कवच टेक्नोलॉजी की टेस्टिंग की थी। रेलवे का दावा है कि इस टेक्नोलॉजी से उसे जीरो एक्सीडेंट के अपने लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। भारतीय रेलवे के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने कहा कि इस मार्ग पर कवच प्रणाली उपलब्ध नहीं थी। इस हादसे के बाद कवच को लेकर फिर बात होने लगी है। इसके जरिए सिग्नल जंप करने पर ट्रेन खुद ही रुक जाएगी. एक बार लागू होने के बाद इस पूरे देश में लगाने के लिए प्रति किलोमीटर 50 लाख रुपये खर्च होंगे। जानकारी के मुताबिक- ये सिस्टम तीन स्थितियों में काम करता है हेड-ऑन टकराव, रियर-एंड टकराव, और सिग्नल खतरा है। ब्रेक विफल रहने की स्थिति में 'कवच ब्रेक के स्वचालित अनुप्रयोग द्वारा ट्रेन की गति को नियंत्रित करता है।

ओडिशा जाएंगे पीएम मोदी

ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ओडिशा जाएंगे। बताया गया है कि पीएम हादसे वाली जगह पर जाएंगे, साथ ही वह कटक में अस्पताल में भर्ती पीड़ितों से भी मुलाकात करेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बालासोर के लिए रवाना हुईं। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि और शिव शंकर, अनबिल महेश घटनास्थल का दौरा करने के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में भी स्वास्थ्य सेवाओं को तैयार रखा गया है ताकि हादसे में प्रभावित लोगों का इलाज किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बालासोर ट्रेन दुर्घटना के संबंध में स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

सोशल मीडिया पर उबाल

ओडिशा के बालासोर में ट्रेन हादसे के बाद सोशल मीडिया पर रेलवे कवच को लेकर खूब बहस हो रही है। सोशल मीडिया यूजर्स रेल मंत्री से रेल कवच को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। कई यूजर्स रेल मंत्री से सीधे-सीधे सवाल उठा रहे हैं कि आखिर ये कवच कहां चला गया। यूजर्स रेल मंत्री के उस दावे से जुड़े वीडियो भी शेयर कर रहे हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि अब ट्रेन हादसे नहीं होंगे और कवच दो ट्रेनों को अपने आप में रोक देगा। एक यूजर ने लिखा कि जब इंजन में रेल मंत्री सवार रहता है तो दो ट्रेने एक दूसरे से 380 मीटर दूर ही रुक जाती है। वीडियो बना के वाहवाही लूटना तो ठीक है पर अब दुर्घटना की जवाबदारी लेने के वक़्त किसी को बलि का बकरा बनाया जाएगा। एक अन्य यूजरने लिखा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कवच सिस्टम भी जुमला निकला? एक यूजरने लिखा कि कुछ महीने पहले ट्रेन की टक्कर र रोकने के लिए बनाए गए कवच सिस्टम के लिए रेल मंत्री छाती ठोक रहे थे, अब ये क्या हुआ हर किसी को यह पूछना चाहिए।

विपक्ष के निशाने पर आई सरकार

रेल हादसे के बाद सोशल मीडिया पर कवच को लेकर सरकार पर हमले के बीच कांग्रेस भी पीछे नहीं रही। यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष ने ट्वीट कर कहा- जब एक ट्रेन डिरेल होकर दूसरी रेल ट्रैक पर आ गयी थी, तब कवच कहाँ था? 300 के आसपास मौतें, करीब 1000 लोग घायल। इन दर्दनाक मौतों के लिए कोई तो जिम्मेदार होगा? कांग्रेस नेता नितिन अग्रवाल ने लिखा कि एक नही, दो नही, 3-3 ट्रेनें आपस में टकराई, तब भारत का कवच कहां था? कांग्रेस नेता ने लिखा कि खोखली बातें कर गुमराह करने और जमीनी स्तर पर काम करने में बहुत फर्क है, यह बात मोदीजी नहीं समझ पा रहे है। विपक्ष के नेताओं ने हादसे के लिए जिम्मदार सिग्नल फेल्योर के लिए आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता साकेत गोखले ने कहा कि सिग्नल फेल होने से इतना बड़ा हादसा विश्वास से परे और आश्चर्यजनक है। हादसे ने कुछ गंभीर सवाल खड़े किए हैं जिनका जवाब दिया जाना चाहिए। विपक्ष ने मामले में रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

भाजपा से सतर्क रहकर जनता के बीच जाएं : अखिलेश

कार्यकर्ताओं को दी ये नसीहत-2024 के लोकसभा चुनाव के लिए जुटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से सर्तकता के साथ बीजेपी पर नजर रखते हुए जनसम्पर्क करने के निर्देश दिए हैं। सपा प्रमुख ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, मतदाता सूची पर निगरानी रखने और व्यापक जनसंपर्क करने की अपील की है। साथ ही भाजपा राज में विकास कार्य न होने का आरोप भी लगाया।

अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर सोनभद्र और मिर्जापुर के कार्यकर्ताओं की बैठक में विचार रख रहे थे। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा के सत्ता का दुरुपयोग करने के बाद भी वो अधिकतर क्षेत्रों में पराजित हुई। नगर निगम के चुनाव में जमकर धांधली की गई।

भाजपा सरकारी संसाधनों से चुनाव को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्र में कोल, बिंद, गोंड, सियार, निषाद और खरवार जातियां है, लेकिन उनके विकास के लिए कुछ नहीं हो रहा है। जमीन के पट्टे के आवंटन में धांधली की शिकायतें हैं। जो काम समाजवादी सरकार में हो रहे थे, उन्हें भी रोक दिया गया है। भाजपा सरकार आदिवासियों के साथ छलावा कर रही है।

भ्रष्टाचार भाजपा सरकार की पहचान

अखिलेश ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार भाजपा सरकार की पहचान है। गरीबों, पिछड़ों और दलितों के साथ अन्याय हो रहा है। संविधान और लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। इसलिए लोकसभा के चुनाव में भाजपा को पराजित किया जाना बहुत जरूरी हो गया है। उधर, सोनभद्र के सपा कार्यकर्ता जुबेर आलम ने इस पिछड़े क्षेत्र की भाजपा राज में हो रही उपेक्षा का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव को ज्ञापन सौंपा। इस पर अखिलेश ने कहा कि दुद्धी विधानसभा क्षेत्र में बभनी ब्लाक के ग्राम पोखरा में वर्ष 2013-14 में एक डिग्री कालेज बनवाया गया, लेकिन यह आज तक चालू नहीं हुआ है।

थाईलैंड तक साइकिल यात्रा करेंगे विकास

अखिलेश यादव से शुक्रवार को शामली के विकास जैजनिया ने भेंट की। विकास पर्यावरण संरक्षण के मिशन को लेकर भारत से थाईलैंड तक साइकिल यात्रा करेंगे। अखिलेश यादव ने उनके साहस तथा पर्यावरण प्रेम की प्रशंसा की है।

यूपी कांग्रेस में बड़े सांगठनिक फेरबदल की तैयारी

» शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस में आंतरिक बदलाव के बयार चलने के संकेत मिलने लगे हैं। प्रदेश अध्यक्ष बृज लाल खाबरी को हाईकमान ने शुक्रवार को दिल्ली बुलाया। साथ ही झांसी और जौनपुर में जिलाध्यक्ष बनाने के उनके फैसले को पलटकर कड़ा संदेश भी दे दिया है। निकाय चुनाव के बाद हाईकमान ने यूपी में बड़े सांगठनिक फेरबदल करने का फैसला ले लिया है।

सूत्रों के मुताबिक, इसी के मद्देनजर खाबरी को दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दफ्तर में शुक्रवार को बुलाया गया था। संभवतया शनिवार को भी हाईकमान के कुछ नेता उनसे बात करें। खाबरी ने कुछ समय पहले झांसी और जौनपुर में कार्यवाहक अध्यक्षों की नियुक्ति की है। एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह कहते हुए इन नियुक्तियों को रद्द कर दिया है कि इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का अनुमोदन आवश्यक है। कांग्रेस सूत्र बताते हैं कि कार्यवाहक अध्यक्ष के लिए भी स्थानीय कमेटी, प्रभारी सचिव और महासचिव की स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करनी होती है, जो इन दोनों ही मामलों में नहीं की गई। इसके साथ ही हाईकमान ने नए पदाधिकारियों की तैनाती के लिए होमवर्क भी करना प्रारंभ कर दिया है। कांग्रेस के दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, शीघ्र ही ये बदलाव सभी के सामने आ जाएंगे।

सीएम शिवराज सिंह पढ़ते रहे भाषण सोते रहे मंत्री-विधायक

» तालियों की गड़गड़ाहट से भी नहीं टूटी नींद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छतरपुर। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की स्पीच और भाषण के दौरान मंच पर आगे की लाइन में बैठे पूर्व मंत्री, विधायक, जिला अध्यक्ष नींद में ऊंघते और सोते नजर आए। उनकी यह नींद इतनी गहरी थी कि सीएम के भाषण और जनता की तालियों की गड़गडाहट से भी नहीं टूटी। सीएम के कार्यक्रम भाषण के समूर्ण समय के दौरान झपकी लेते नजर आए।

बुंदेलखंड केसरी महाराजा छत्रसाल द्वारा स्थापित छतरपुर का गौरव दिवस दो जून को पं. बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम में यह कार्यक्रम था। सीएम के कार्यक्रम के दौरान पूरे मंच को एसी और कूलर से सेंट्रलाइज किया गया था। मंच के हर कोने हर जगह पर कड़ाके की गर्मी में भी बेहतरीन ठंडक फैली हुई थी। यही वजह रही कि इन नेताओं को नींद सताने लगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दो जून को छतरपुर प्रवास के दौरान हेलीपैड से कार के माध्यम से मुख्य कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए। इस दौरान मार्ग में अलग-अलग स्थानों पर मुख्यमंत्री का लाडली बहनों सहित महिलाओं और स्थानीय नागरिकों ने आत्मीय स्वागत कर फूलवर्षा की।

उत्साह एवं उमंग के माहौल में मुख्यमंत्री चौहान ने भी अभिवादन कर आभार जताया और हालचाल जाना। दलदल घोड़ी, मोनिया नृत्य और लोकगीत के माध्यम से स्वागत करने वाले कलाकारों का भी अपार जनसमूह की उपस्थिति में मुख्यमंत्री द्वारा अभिवादन किया गया।

यह सोते रहे मंच पर

बता दें कि मंच पर सोने वालों में से दो के प्रमुख नाम हैं। इनमें से एक नाम भाजपा पूर्व के पूर्व जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक जुझार सिंह का है। तो वहीं पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री रहे मानवेन्द्र सिंह (भंवर राजा) भी मंच पर बड़ी गहरी नींद सोते नजर आए।

फोटो : 4पीएम

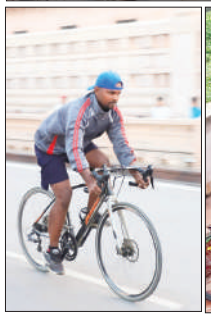

विश्व साइकिल दिवस

हर साल 3 जून को दुनियाभर में विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देय साइकिल के महत्व को समझाते हुए स्वास्थ्य और पर्यावरण को होने वाले फायदों को लेकर जागरूक करना है। इसी तहत आज राजधानी में लोगों ने साइकिलिंग की।

हरियाणा के पहलवान सच्चे नायक : अशोक खेमका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ। हरियाणा के पहलवानों और भारतीय कुश्ती महासंघ पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के बीच विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इस विवाद में अब हरियाणा के सीनियर पूर्व आईएएस अशोक खेमका की भी एंट्री हो गई है। खेमका ने खिलाड़ियों के समर्थन में एक ट्वीट किया है। इस ट्वीट में खेमका ने हरियाणा के पहलवानों को सच्चा नायक बताया है।

खेमका ने कहा कि खेल में महिलाओं की गरिमा के संघर्ष में इस संघर्ष को हमेशा एक मील के पत्थर के रूप में उकेरा जाएगा। अशोक हरियाणा के एक चर्चित आईएएस अधिकारी हैं। अशोक खेमका 1991 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। खेमका का 30 साल की नौकरी में 56 बार तबादला हो चुका है। उनके तबादलों का दौर बंसीलाल के नेतृत्व वाली सरकार से शुरू हुआ था। आईएनएलडी सरकार में खेमका का 5 वर्ष में 9 बार ट्रांसफर हुआ। उनका टकराव तकरीबन हर राजनीतिक दल की सरकार से हुआ। इसका खामियाजा खेमका को बार-बार ट्रांसफर के रूप में झेलना पड़ा। एक बार तो सरकारी गाड़ी तक छीन ली गई थी। खेमका पैदल ही घर से ऑफिस आते-जाते रहे।

» पूर्व आईएएस ने कहा- महिलाओं के संघर्ष को याद रखा जाएगा

24 में सजेगी मोहब्बत की दुकान!

» अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे सियासी दल
» कांग्रेस को मिल सकता है बंपर लाभ
» भाजपा को भारी पड़ सकती हैं आक्रमकता
» आंकड़ों में छुपा है आक्रामकता का राज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक जीत के बाद पूरी तरह जोश में आई कांग्रेस ने भाजपा को बैचैन कर दिया है। अमेरिका दौरे पर गए राहुल ने वहां जाकर कई मुद्दों पर बोला। पर जैसे ही उन्होंने मुस्लिमों, दलितों, सिक्खों पर बयान दिया उसका असर भारतीय जनता पार्टी पर हुआ। भाजपा ने बिना समय गवाएं राहुल को घेरते हुए बोला कि वह विदेश में जाकर देश अपमान करते हैं।

खैर, अब राहुल के एक और बात भाजपा को परेशान करने वाली है वो बात है जिसमें उन्होंने कहा है कि 2024 लोक सभा चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले है और विपक्ष एकजुट होकर मोदी सराकर को झटका दे सकती है। राहुल का इस तरह बयान देना उनके मनोबल को बढ़ा हुआ बताने के लिए काफी है। जिस तरह भारत जोड़ो यात्रा व मोहब्बत की दुकाने जैसे कार्यक्रम कांग्रेस ने शुरू किए उससें भाजपा को बैकफुट पर जाना पड़ रहा। आने वाले चुनावों पर इसका असर होगा। ज्ञात हो राहुल गांधी इन दिनों विदेशों में मोहब्बत की दुकान लगा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवान से भी ज्यादा जानकार होने और देश की संस्थाओं पर सरकार का कब्जा होने जैसे आरोप लगा रहे हैं। भाजपा उनके इन बयानों पर हमलावर है और उन पर देश की छवि खराब करने का आरोप लगा रही है। उसके दर्जनों बड़े नेता और केंद्रीय मंत्री राहुल के मामले पर बयानबाजी कर चुके हैं।इन नेताओं की आक्रामक प्रतिक्रिया बता रही है कि भाजपा राहुल के बयानों को लेकर काफी गंभीर है और वह बिना चूके उन सवालों का पूरा जवाब देना चाह रही है, जिसे राहुल अपने कार्यक्रमों में उठाने की कोशिश कर रहे हैं। बड़ा प्रश्न है कि कल तक राहुल गांधी को पप्पू बताने वाली भाजपा आज उनके बयानों को लेकर इतनी गंभीर क्यों हो गई है? राहुल के बयानों पर भाजपा की आक्रामकता का कारण क्या है? मोहब्बत की दुकान का नारा भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सबसे पहले सुनाई पड़ा था। माना गया था कि इसके जरिए कांग्रेस उसी अल्पसंख्यक मुसलमान समुदाय को साधने की रणनीति बना रही थी, जो कभी उसका सबसे बड़ा समर्थक वोटर वर्ग हुआ करता था। क्षेत्रीय दलों के उभार के बाद यह वर्ग अलग-अलग दलों में बंट गया, लेकिन दुबारा खड़ी होने की पुरजोर कोशिश में जुटी कांग्रेस अब पूरी शिद्दत के साथ इस वोट बैंक को दुबारा अपने साथ लाने का प्रयास कर रही है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मुसलमान मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए चला गया यह दांव कांग्रेस के लिए काफी कारगर भी साबित हुआ। कर्नाटक में पार्टी को जबरदस्त जीत मिली और इस जीत के पीछे मुसलमान समुदाय के द्वारा उसे किया गया समर्थन बड़ा कारण बना। कांग्रेस अब इसी दांव को लोकसभा चुनाव में भी आजमाना चाहती है। संभवत: यही कारण है कि विपक्षी एकता के सुनाई दे रहे स्वरों के बीच राहुल गांधी एक बार फिर मोहब्बत की दुकान लगाने निकल पड़े हैं।

कांग्रेस-भाजपा में कड़ी टक्कर की उम्मीद

कांग्रेस के लिए ऐसा कर पाना आसान नहीं है तो बहुत मुश्किल भी नहीं है। इसका बड़ा कारण है कि ये लोकसभा सीटें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कर्नाटक जैसे राज्यों में हैं। कांग्रेस इन राज्यों में न केवल मजबूत स्थिति में है, बल्कि वह राजस्थान और छत्तीसगढ़ में दुबारा वापसी करने की मजबूत दावेदारी भी पेश कर रही है। वहीं, भाजपा शासित मध्य प्रदेश में एक बार फिर वह

चुनाव में बढ़त बना सकती है। यदि इन समीकरणों के बीच राहुल गांधी का दांव चला तो इसका लोकसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। कर्नाटक और उसके पहले हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों में यह बात सामने आई है कि अब गैर भाजपाई वोटर एकजुट होकर सरकार परिवर्तन के लिए वोट कर रहे हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस विपक्ष के अन्य दलों को अपने साथ लेकर चुनाव में उतरी तो और इसका परिणाम 2014 और 2019 से बहुत अलग हो सकता है। राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान इस दिशा की ओर बढ़ाया जा रहा एक मजबूत कदम साबित हो सकता है। जानकारों के मुताबिक कांग्रेस जानती है कि वह केवल मुसलमान मतदाताओं के बल पर भाजपा को 2024 की लड़ाई में बड़ी चुनौती नहीं पेश कर सकती। यही कारण है कि राहुल गांधी ने अमेरिका में मुसलमानों के साथ-साथ दलितों और सिखों का मुद्दा भी उठाना शुरू कर दिया है। दलित और सिख मतदाता भी कांग्रेस के परंपरागत वोटर रहे हैं। कर्नाटक चुनाव परिणाम ने यह भी बता दिया है कि कांग्रेस का मल्लिकार्जुन खरगे पर खेला गया दांव अपना असर दिखा रहा है और दलित मतदाता उसकी ओर आ रहे हैं।

मोदी फैक्टर अभी भी लोकप्रिय

वहीं, राजनीतिक विश्लेषक का मानना है कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि लोकसभा चुनाव में भी कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश जैसा परिणाम दिखाई पड़ सकता है। यह सही है कि इन राज्यों में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आक्रामक चुनाव प्रचार किया, लेकिन ये चुनाव विधानसभा के लिए थे। जनता को पता था कि वह मुख्यमंत्री का चुनाव कर रही है, प्रधानमंत्री का नहीं। 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले भी प्रधानमंत्री मोदी के प्रचार के बाद भी भाजपा को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में करारी हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन जब लोकसभा चुनाव हुए तो भाजपा ने इन सभी राज्यों में लगभग क्लीन स्वीप कर दिया। भाजपा का पूरा चुनावी अभियान ब्रांड मोदी की सफलता पर निर्भर करता है। लेकिन तमाम सर्वे बताते हैं कि ब्रांड मोदी की लोकप्रियता आम जनता के बीच अभी भी कायम है। यही कारण है कि भाजपा-कांग्रेस की आमने-सामने वाली सीटों पर ही नहीं, बल्कि दूसरी सीटों पर भी भाजपा मजबूती के साथ चुनावी लड़ाई में दिखाई पड़ेगी। साथ ही, भाजपा अपने अंतिम चुनावी वर्ष में कुछ और लोकप्रिय दांव खेलकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर सकती है। इन सबका समेकित परिणाम भाजपा के पक्ष में आ सकता है।

200 सीटों पर आमने-सामने की चुनौती

2014 में कांग्रेस ने 464 सीटों पर और 2019 में 421 सीटों पर अपनी किस्मत आजमाई। 2019 में उसे 52 सीटों पर सफलता मिली थी, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात है कि 2019 में भाजपा को जिन 303 सीटों पर सफलता मिली थी, उनमें 190 लोकसभा सीटों पर उसकी लड़ाई कांग्रेस से थी। 185 सीटों पर उसे अन्य क्षेत्रीय दलों का सामना करना पड़ा था, जिसमें उसने 128 सीटों पर सफलता हासिल की थी। इस प्रकार लगभग 200 लोकसभा सीटों पर भाजपा और कांग्रेस में आमने-सामने की लड़ाई है। यदि कांग्रेस अपनी लोकप्रिय योजनाओं और सामाजिक समीकरणों के सहारे इन 190 सीटों पर भाजपा को घेरने में कामयाब रहती है तो भाजपा के लिए सत्ता की राह कठिन हो सकती है।

2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 37.36 प्रतिशत वोटों के साथ 303 सीटों पर सफलता मिली थी, जबकि इसी चुनाव में कांग्रेस को 19.49 प्रतिशत वोटों के साथ 52 सीटों पर जीत मिली थी। भाजपा और कांग्रेस के वोटों में अंतर लगभग 18 फीसदी वोटों का था। यह अंतर उस समय था जब कांग्रेस सबसे कमजोर पिच पर थी, तो पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक कर भाजपा अपनी लोकप्रियता के सर्वोच्च शिखर पर थी।

खरगे का भी पड़ेगा प्रभाव

राहुल गांधी दलितों के मुद्दे को उठाकर यही कर्नाटक इफ़ेक्ट उत्तर भारत के राज्यों तक भी पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल के द्वारा जातीय जनगणना के मुद्दे को मजबूती से उठाना उनकी इस कोशिश को और मजबूती दे सकता है। यही कारण है कि माना जा रहा है कि आने वाले समय में कांग्रेस इस मुहिम को और तेज कर सकती है। इन कारणों से यदि कांग्रेस दलित-पिछड़े वर्ग वर्ग का एक हिस्सा भी अपने साथ जोड़ने में कामयाब रही तो मुसलमान मतदाताओं के साथ उसका यह जोड़ 2024 की लड़ाई को दिलचस्प बना सकती है।

अपने गढ़ में भाजपा मजबूत

2024 की लड़ाई भी कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के लिए आसान नहीं होने वाली है। इसका बड़ा कारण है कि भाजपा अपने गढ़ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर के राज्यों में अभी भी मजबूत है जहां विपक्षी दल पूरी एकता के बाद भी उसे चुनौती देने की स्थिति में नहीं हैं। विपक्षी दलों में अभी भी एकता के नाम पर सीटों पर तालमेल स्पष्ट नहीं है। यदि एकता बनी तो विपक्ष अवश्य मजबूत होगा, लेकिन इससे जनता के बीच भी अलग समीकरण पैदा होंगे। लेकिन यह अवश्य है कि कांग्रेस के मजबूत होने के दौर में 2024 की लड़ाई एकतरफा नहीं होने वाली है। भाजपा बदलती परिस्थितियों में कांग्रेस की इस चाल को बखूबी समझ रही है। यही कारण है कि राहुल गांधी की इस मुहिम को पंचर करने के लिए उसने अपने दिग्गज नेताओं की फौज उतार दी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर, गिरिराज ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद, मुख्तार अब्बास नकवी सहित अनेक नेता राहुल गांधी को घेरने में जुट गए।

मजबूती से बढ़ रही कांग्रेस

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के दिनों में कई ऐसे बदलाव हुए हैं जिसके कारण कांग्रेस एक बार फिर मजबूत होती दिखाई पड़ रही है। वहीं भाजपा कई अलग-अलग मोर्चों पर फंसती दिखाई दे रही है। महंगाई, बेरोजगारी, दस साल का एंटी इनकमबेंसी फैक्टर, महिला खिलाड़ियों के सम्मान सहित कई ऐसे मुद्दे हैं जो भाजपा को परेशान कर रहे हैं और ये लोकसभा चुनाव को भी प्रभावित कर सकते हैं। अंतिम दिनों में चुनाव की कैसी परिस्थितियां बनती हैं, इस पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन इस समय जो मोटी-मोटी तस्वीर बन रही है, उससे केंद्र को परेशानी होती दिखाई पड़ रही है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

घट रही डालर की वैल्यू!

> "चीनी अर्थव्यवस्था का विशाल आकार और तेजी से विकास प्रभावशाली है। चीन ने एक सदी के एक चौथाई से अधिक समय तक दुनिया में सबसे अधिक आर्थिक विकास दर बनाए रखी, जिससे कुछ ही दशकों में 80 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद मिली। चीन दुनिया में सबसे बड़ा निर्यातक है और जापान, जर्मनी, ब्राजील और कई अन्य देशों का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है।

धीरे-धीरे दुनिया में डालर की वैल्यू गिर रही है। चीन के युआन का दाम बढ़ रहा है। हालांकि रैंकिंग भ्रामक हो सकती है। युआन का औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम अभी भी अमेरिकी डॉलर के 10वें हिस्से से कम है। इसके अलावा, लगभग सभी व्यापार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले थे, अन्य मुद्राओं के मुकाबले बहुत कम कारोबार हुआ। और जब वैश्विक भुगतान की बात आती है, तो युआन का वास्तविक हिस्सा मात्र 2.3 प्रतिशत है, जबकि डॉलर के लिए यह 42.7प्रतिशत और यूरो के लिए 31.7प्रतिशत है। डॉलर के लिए 58प्रतिशत और यूरो के लिए 20प्रतिशत की तुलना में 2022 के अंत में विश्व विदेशी मुद्रा भंडार में युआन का अंश 3प्रतिशत से भी कम था। चीनी अर्थव्यवस्था का विशाल आकार और तेजी से विकास प्रभावशाली है। चीन ने एक सदी के एक चौथाई से अधिक समय तक दुनिया में सबसे अधिक आर्थिक विकास दर बनाए रखी, जिससे कुछ ही दशकों में 80 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद मिली।

चीन दुनिया में सबसे बड़ा निर्यातक है और जापान, जर्मनी, ब्राजील और कई अन्य देशों का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है। बाजार विनिमय दर के आधार पर अमेरिका के बाद इसकी दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, और क्रय शक्ति के आधार पर सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस सबके बावजूद युआन अभी भी एक प्रमुख वैश्विक मुद्रा के रूप में पीछे है। फरवरी 2022 में शुरू हुआ यूक्रेन का युद्ध इसे बदल सकता है। वित्त के एक प्रोफेसर और अंतर्राष्ट्रीय वित्त के विशेषज्ञ के रूप में, मैं समझता हूं कि कैसे यह भू-राजनीतिक संघर्ष चीन की मुद्रा को वैश्विक मुद्रा बनने के अपने रास्ते के अगले चरण में डाल सकता है - और अमेरिकी डॉलर की अपने मौजूदा प्रभुत्व से गिरावट की शुरुआत का संकेत दे सकता है। चीनी युआन की धीमी प्रगति चीन लंबे समय से युआन को एक वैश्विक ताकत बनाना चाहता है और हाल के वर्षों में उसने ऐसा करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। उदाहरण के लिए, चीनी सरकार ने युआन में सीमा पार भुगतान की सुविधा के लिए 2015 में क्रॉस-बॉर्डर इंटरबैंक पेमेंट सिस्टम या सीआईपीएस लॉन्च किया। तीन साल बाद, 2018 में, इसने निर्यातकों को युआन में तेल बेचने की अनुमति देने के लिए दुनिया का पहला युआन-डिनोमिनेटेड क्रूड ऑयल फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट लॉन्च किया। 2022 में अधिकांश अन्य मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मूल्य में काफी वृद्धि हुई क्योंकि फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी की। अगर युआन का प्रभाव बढ़ता है तो आने वाले समय में रुपये की भी ताकत बढ़ सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

साथ चलने के करार पर सवाल बरकरार

यश गोयल

क्या हाल ही में दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के समक्ष राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नाराज सचिन पायलट के बीच वास्तव में एकजुट होकर आगे बढ़ने के लिए समझौता हुआ था या फिर सत्ता में वापसी के लिए पार्टी आलाकमान पर आगामी विधानसभा चुनाव की बाध्यता थी। पार्टी के अंदर और बाहर राजनीतिक खेमे में अस्पष्टता बनी हुई है क्योंकि कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने अनुभवी सीएम और राहुल गांधी के युवा ब्रिगेड नेता पायलट के बीच तय हुए किसी भी फॉर्मूले या समझौते की शर्तों का खुलासा नहीं किया। ये वही पायलट हैं जिन्होंने कांग्रेस पार्टी को राजस्थान में 2018 के चुनाव में कड़ी मेहनत से सत्ता में ला दिया था और उन्हें गहलोत के दबाव में पार्टी आलाकमान द्वारा सिर्फ डिप्टी सीएम पद ही दिया गया था।

दोनों के बीच तमाम बयानबाजी की जंग के बावजूद, राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दावा किया था कि दोनों पार्टी के लिए 'एसेट्स' हैं। लेकिन यह अभी भी रहस्य है कि पायलट की भविष्य की कार्य सीमा क्या होगी या उन्हें सीएम की योजनाओं के साथ चलने के लिए पीसीसी अध्यक्ष या चुनाव समिति प्रभारी जैसा कोई पद दिया जाएगा? सरकारी गलियारों में राहत है क्योंकि जयपुर में अपनी जन संघर्ष पद यात्रा के समापन पर उठाई गई तीन मांगों को लेकर पायलट का गहलोत सरकार को दिया गया अल्टीमेटम 30 मई को बिना किसी जोखिम के समाप्त हो गया। इसके विपरीत पायलट गुट के नेता और समर्थक चुप्पी साधे हैं, लेकिन वे उन तीन मांगों पर बेचैन हैं जो पायलट ने 15 मई को जयपुर में जन संघर्ष यात्रा के समापन पर सार्वजनिक की और गहलोत सरकार को अल्टीमेटम दिया था कि मांगें नहीं मानी गई तो वे राज्यव्यापी जन संघर्ष करेंगे। जाहिर है इस संक्षिप्त सुलह के बाद गहलोत सरकार प्रतियोगी परीक्षा पेपर लीक मामलों में पीड़ित लाखों छात्रों के नुकसान की भरपाई करने के बारे में नहीं सोचेगी। पायलट की दो अन्य मांगों में भाजपा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शासन के दौरान हुए भ्रष्टाचार मामलों और राजस्थान लोक सेवा आयोग को बंद करने और नये सिरे से जांच करने की मांग भी अधर में लटक गई है।

पायलट की गहलोत से नाराजगी और सड़क पर उतर आने पर भी आम लोग सोचते हैं कि पायलट पहले डिप्टी सीएम बने क्यों, बने तो निभाया क्यों नहीं? न निभा पाये तो गहलोत सरकार

को झटका देने के लिये कथित रूप से विपक्षी पार्टी से हाथ मिलाने के चक्कर में मानेसर क्यों गए? फिर वापस आते ही बयानबाजी, एक दिन का मौन अनशन और अजमेर से जयपुर की पदयात्रा के बाद सरकार को अल्टीमेटम क्यों दिया, और दिया तो फिर से 'यू टर्न' क्यों किया। यानी समझौता-दर-समझौता। महंगाई राहत कैंप के तहत गहलोत के दस प्रमुख कदमों, 6.9 करोड़ लाभार्थियों को गारंटी कार्ड सौंपने और अब तक करीब 1.35 करोड़ परिवारों को इन योजनाओं का सीधा लाभ देने से पार्टी आलाकमान को वास्तव में पायलट के अल्टीमेटम की अनदेखी को मजबूर होना पड़ा है क्योंकि कांग्रेस इस साल दिसंबर में लगातार दोबारा सत्ता में वापसी करना चाहती है। यह भी कि लाखों कर्मचारियों को लाभान्वित करने वाली ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) के कार्यान्वयन को लेकर गहलोत का कदम सही सिद्ध हुआ और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर हिमाचल और कर्नाटक विधानसभा चुनाव भी जीते। सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे और पूछताछ के दौरान गहलोत ने उन्हें दिल्ली जाकर सक्रिय समर्थन दिया था। इससे हाईकमान का मनोबल ऊंचा रखने में मदद मिली। बहरहाल, समझौते की सफलता पर मुख्यमंत्री गहलोत ने दिल्ली में मीडिया से कहा, 'अगर वह (सचिन पायलट) पार्टी में हैं तो साथ काम क्यों नहीं करेंगे। जिसके पास धैर्य है, पार्टी उसे मौका देगी।' जब गहलोत से पूछा गया कि क्या उन्हें यकीन है कि पायलट उनके साथ काम करेंगे और उनकी भूमिका क्या होगी, तो गहलोत ने जवाब दिया कि यह भूमिका आलाकमान की है। मेरे लिए पद मायने नहीं रखता। तीन बार मुख्यमंत्री रह चुका हूं। मैंने काम करने में कसर नहीं छोड़ी। मेरा कर्तव्य है, मुझे उस दिशा में काम करना चाहिए कि सरकार कैसे दोहराएं, आलाकमान भी यही चाहता है। मैंने जनता के लिए कई योजनाएं बनाई हैं।' वहीं समझौते से ठीक पहले पायलट की पेपर लीक मामले में पीड़ित छात्रों को मुआवजा देने की मांग को अतार्किक करार दिया था।

सचिन पायलट को चित्रित करने वाले एक पोस्टर में लिखा है 'सिर्फ एक बंदा काफी है। भ्रष्टाचार की जड़ को हिला देने के लिए, उसके खिलाफ आवाज उठाने के लिए एक व्यक्ति ही काफी है।' दरअसल यह पोस्टर आलाकमान को चुनौती थी जिसके चलते उन्हें 30 मई से पहले सुलह की राह तलाशनी पड़ी।

बेटियों के उत्सव में हिंदी का उत्साह

केवल तिवारी

परीक्षा परिणामों के इस मौसम में दो-तीन सुखद पहलू सामने आए हैं। एक तो बेटियों ने साबित किया है कि अगर मौका और मंच मिल जाये तो कामयाबी का सातवां आसमान छूने में वह औरों के लिए नजीर साबित हो सकती हैं। दूसरा, अंग्रेजी का वर्चस्व टूटा है और तीसरा, भारत की शीर्ष प्रशासनिक सेवा परीक्षा में हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों ने नयी इबारत लिखी और भविष्य के लिए शुभ संकेत दिए। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से लेकर हरियाणा, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों की 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में बेटियां अव्वल रहीं। इसके बाद संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2022 के परिणामों में भी इस देश की बेटियों ने अपने बुलंद इरादों को जता दिया। इसमें शीर्ष 25 उम्मीदवारों में 14 युवतियां हैं। यही नहीं, टॉप 5 में भी चार लड़कियों ने अपना स्थान सुनिश्चित किया। कुल 933 अभ्यर्थियों में से 320 बेटियों ने शीर्ष प्रशासनिक सेवा में शान से जाने का रास्ता पक्का कर लिया।

तमाम बंधनों के बावजूद बेटियों को मिली अपार सफलता के इस माहौल में कुछ चर्चा भाषायी बंधन की भी जरूरी है। इस बंधन को तोड़ने की शुरुआत तो कुछ वर्ष पहले ही हो चुकी थी। एक समय था जब अंग्रेजी माध्यम में ही सिविल सेवा की परीक्षा में शामिल हुआ जा सकता था, लेकिन जब इसकी अनिवार्यता खत्म हुई तो अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के साथ ही हिंदी माध्यम में भी परीक्षार्थियों ने सफलता हासिल की। यूपीएससी के हाल में घोषित परिणामों पर गौर करें तो इस बार सर्वाधिक 54 उम्मीदवार हिंदी माध्यम से सफल हुए हैं। यही नहीं, सोने पे सुहागा यह कि इनमें से 29 अभ्यर्थियों का वैकल्पिक विषय हिंदी साहित्य था। यानी न केवल हिंदी माध्यम सफलता का मानक बना, बल्कि हिंदी साहित्य बतौर एक विषय भी इस शीर्ष प्रतियोगी परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। सभी को अलग-अलग भाषा सीखने में आगे रहना चाहिए, लेकिन अपनी मातृभाषा में चीजों को समझने, सीखने और अभिव्यक्त करने में जो सहजता होती है, वह किसी थोपी हुई भाषा में नहीं।

नयी शिक्षा पद्धति में यही दावा किया गया है कि मातृभाषा में अध्ययन-अध्यापन को प्रमुखता दी गयी है। हालांकि इस मसले पर अनेक किंतु-परंतु हैं। मसलन, वैज्ञानिक शब्दावली और गणित के सूत्रों का अनुवाद संबंधी। फिलवक्त तो हिंदी में उत्साहजनक परिणाम पर चर्चा करना ही मुनासिब होगा। असल में, आज वह भ्रम भी टूट चुका है जिसमें कहा जाता था कि आईएएस बनना है तो अंग्रेजी भाषा अनिवार्य है। इस अनिवार्यता के चलते कुछ लोग परीक्षा में शामिल ही नहीं हो पाते थे। कुछ रिपोर्ट्स में यह खुलासा भी हुआ कि सिविल सेवा परीक्षा में वर्ष 2012 में पहली बार हिंदी की शुरुआत के बावजूद कम ही लोग इस माध्यम को चुनते थे। कारण भाषायी संकोच और असहज स्थिति। लेकिन धीरे-धीरे हिंदी माध्यम के परीक्षार्थियों ने न केवल सफलता हासिल की, बल्कि हिंदी साहित्य को बतौर वैकल्पिक विषय भी चुना। सुखद संयोग देखिये कि एक साल पहले हिंदी भाषी सफल अभ्यर्थियों की संख्या 24 थी जो इस बार दोगुने से भी अधिक हो गयी।

सर्वविदित है कि आज हिंदी बड़े वर्ग की भाषा है। भारतीय समाज में जहां हिन्दी को संपर्क की भाषा कहा जा सकता है, वहीं हम इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि भारत ही ऐसा एकमात्र देश है जिसकी पांच भाषाएं विश्व की 16 प्रमुख भाषाओं की सूची में शामिल हैं। इन पांच में हिंदी तो है ही। विश्व के विभिन्न देशों में हिंदी महोत्सवों को मिली अपार सफलता इस भाषा की स्वीकार्यता और इसकी बढ़ती लोकप्रियता की ओर इंगित करती है। आंकड़ों के मुताबिक चीनी, अंग्रेजी के बाद हिंदी भाषा ही है जिसको बोलने, समझने वाले विश्व में सर्वाधिक हैं। यही नहीं त्रिनिदाद, मॉरिशस, फिजी, इंडोनेशिया, मलेशिया और गुयाना जैसे देशों में हिंदी पर व्यापक शोध हो रहे हैं। नये शब्द गढ़े जा रहे हैं और कई प्रयोग हो रहे हैं। अनेक देशों में हिंदी भाषा में पत्रिकाएं निकल रही हैं। बेशक हिंदी का यह विस्तार और हिंदी भाषी अभ्यर्थियों की सफलता उत्साहजनक है, लेकिन हिंदी के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। आज भी विज्ञान से लेकर अन्य विषयों में अनेक ऐसी शब्दावलियां हैं जिनके लिए अंग्रेजी पर ही निर्भर रहना पड़ता है। यूं तो हिंदी भाषा की यही खूबसूरती है कि इसने अनेक अन्य भाषाओं के शब्दों को भी आत्मसात कर लिया है, लेकिन इसे सहज और प्रवाहमयी बनाने के लिए नये प्रयोगों की अभी भी दरकार है। कंप्यूटर के इस युग में फोंट संबंधी एकरूपता आना हिंदी के डिजिटल विकास में मील का पत्थर ही साबित हुआ है।

हिंदी भाषा में मिली कामयाबी के इस खुशनुमा माहौल के बीच ही बेटियों की सफलता ने भी फिजां में उमंग की रंगत को घोला है। आज विषम परिस्थितियों में भी बेटियों ने चहुंओर जो मुकाम हासिल किया है, वह काबिल-ए-गौर है। बोर्ड या यूपीएससी परीक्षा ही नहीं, सैन्य सेवा के अलावा खेलों में भी कीर्तिमान स्थापित किया है। बेटियों के नाम इतने उत्साहजनक परिणाम तो तब हैं जब आज भी यदा-कदा बेटियों के प्रति भेदभावपूर्ण व्यवहार की खबरें आती हैं। घर की चौखट से लेकर कदम-कदम पर तरह-तरह की असहजता, भेदभावपूर्ण व्यवहार का दंश झेलते हुए लड़कियों ने ऐसे शानदार परिणाम दिए हैं।

मशरूम

कुछ तरह की मशरूम खासकर शिटेक मशरूम में विटामिन बी12 की मात्रा अधिक होती है। रोजाना की विटामिन बी 12 की जरूरत पूरी करने के लिए आपको लगभग 50 ग्राम सूखे शिटेक मशरूम का सेवन करना होगा।

बटरनट स्क्वाश

बटरनट स्क्वाश कद्दू परिवार की सब्जी है, जिसका सेवन बहुत कम लोग करते हैं। इसे कटहल की तरह फल और सब्जी दोनों तरह से खाया जाता है। इसमें मिनरल्स और फाइबर पाए जाते हैं। बटरनट स्क्वाश विटामिन बी12 से भरपूर सब्जियों में से एक है।

चुकंदर

चुकंदर में विटामिन, मिनरल्स, आयरन और कैल्शियम जैसे सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह लाल रंग की सब्जी विटामिन बी12 का भी बढ़िया स्रोत है। आप इसे सलाद के रूप में कच्चा खा सकते हैं या फिर जूस बनाकर ले सकते हैं।

इन 8 फल-सब्जियों के सामने चिकन-मटन भी फेल

विटामिन बी 12 एक जरूरी विटामिन है। पानी में घुलनशील यह विटामिन शरीर में रेड ब्लड सेल्स बनाने और नर्वस सिस्टम को चलाने का काम करता है। शरीर के बेहतर कामकाज के लिए विटामिन बी 12 की जरूरत होती है। इसकी कमी से आपको थकान, कमजोरी, खून की कमी, कब्ज, वजन कम होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसा माना जाता है कि मांस और डेयरी उत्पादों में यह सबसे ज्यादा पाया जाता है। बेशक यह बात सच है लेकिन कुछ फल-सब्जियों में भी इसकी अच्छी मात्रा होती है। अगर आप प्लांट-बेस्ड डाइट फॉलो करते हैं तो पालक, चुकंदर, बटरनट स्क्वैश, मशरूम और आलू जैसी सब्जियों में विटामिन बी12 की अच्छी मात्रा होती है। भूख में कमी, संतुलन बनाने में परेशानी, सोचने-समझने में कठिनाई, श्रम होना मुंह या जीभ पर फफोले होना विटामिन बी12 की कमी के लक्षण हैं।

ब्लूबेरीज और संतरा

ब्लूबेरी में विटामिन बी 12 की अच्छी मात्रा होती है। ब्लूबेरी में कई एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो स्वास्थ्य और त्वचा को बेहतर रखते हैं। ब्लूबेरी वजन कम करती है, पाचन शक्ति बढ़ाती है, तनाव, कैंसर, डायबिटीज आदि को दूर करती है। इसी तरह संतरे में नैचुरली विटामिन बी 12 की मात्रा अधिक होती है। संतरे में बीटा-कैरोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, कैल्शियम होता है, जो शरीर के लिए बहुत ही जरूरी पोषक तत्व होते हैं।

आलू

आलू सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जी है। आलू भरपूर पोषक तत्वों से भरपूर होता है। आलू विटामिन बी 12 के लिए सबसे अच्छी सब्जियों में से एक है। इसमें स्टार्च प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह पोटेशियम, सोडियम और विटामिन बी12 और विटामिन ए का भी बढ़िया स्रोत है।

सेब और केला

सेब एंटीऑक्सिडेंट, फ्लेवोनोइड्स और फाइबर से भरपूर होता है। इसमें विटामिन बी12 की मात्रा भी अधिक होती है। सेब में पॉलीफेनोल्स जैसे अन्य कारक भी बड़ी मात्रा में होते हैं जो इसकी परत के गूदे और छिलके दोनों में पाए जाते हैं। यह एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में भी कार्य करता है। इधर केला भी विटामिन बी 12 का बढ़िया स्रोत है। केले में विटामिन और फाइबर होता है, जो ब्लड प्रेशर को मैनेज करने, तनाव को कम करने, कब्ज और अल्सर की समस्या से राहत दिलाने में मदद करता है।

हंसना मना है

गर्मी का कहर शुरू। एक औरत अकेले कब्रिस्तान मे एक कब्र पर बैठी थी। एक राहगीर ने पूछा - डर नहीं लगता? औरत - क्यों? इसमें डरने की क्या बात है.. अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई । राहगीर अब कौमा में है ।

सास बहू से- कैसी बहू है, सुबह इतनी देर से उठती है, उठ जा कुंभकरण सूरज भी कब का निकल आया है। बहू (करवट बदलते हुए)- चिल मां जी, वो सोता भी तो मुझसे पहले है ना बहू की बात सुनकर सास बेहोश...!

जीजा जी- तुमने तो सुबह कहा था कि रात के खाने में दो ऑप्शन होंगे, लेकिन यहां तो एक ही सब्जी दिख रही है? साली साहिबा- ऑप्शन अभी भी दो हैं। जीजा जी- वो कैसे? साली साहिबा- खाना है तो खाओ, नहीं तो मैं दीदी को बोल दूंगी।

पति- पत्नी का झगड़ा हो रहा था, पति- तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो उसका क्या? पत्नी- वो तो मैं तुम्हें सुंदर दिखूं इसलिए। पति- पगली तो मैं भी तो इसलिए पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगे।

लड़की ने पिज्जा शॉप में पिज्जा आर्डर किया, वेटर- मैडम, इसके 4 पीस करूं या 8 पीस? लड़की बोली- 4 पीस ही करो..8 खाऊंगी तो मोटी हो जाऊंगी। वेटर बेहोश...!

कहानी | लालची राजा

एक छोटे से राज्य में एक बहुत ही लालची राजा राज्य करता था। हालांकि वह बहुत अमीर था पर वह राजा इतना लालची था की अपने राज्य के लोगों से भी तरह तरह के कर लगाकर उनसे पैसा वसूल करता था। वह राजा सोने, चांदी हीरे मोती आदि चीजों को पसंद करता था। लेकिन उसकी एक बेटी थी जिसे वो इन सब चीजों से ज्यादा प्यार करता था। एक बार राजा अपने बागीचे में टहल रहा था। तभी उसने एक परी को देखा। परी के कुछ बाल पेड़ों की शाखाओं में फंस गए थे। राजा परी के पास आया और उसे बाहर निकालने में मदद की। परी खुश हो गई और राजा को धन्यावाद देकर जाने लगी। लेकिन राजा ठहरा लालची। उसने परी से कहा मैंने तुम्हारी मदद की है, तुम्हें इसके बदले मेरी इच्छा पूरी करनी होगी। परी ने राजा की एक इच्छा पूरी करने के लिए कहा। राजा ने कहा, मेरी इच्छा है मैं जिस भी चीज को हाथ लगाऊं वो चीज सोने की हो जाये। परी उसकी आभारी थी सो उसने राजा की इच्छा पूरी कर दी और वहां से चली गई। राजा ने एक पत्थर को हाथ लगाया अचानक पत्थर सोने का हो गया। लालची राजा बहुत खुश हुआ। अपनी पत्नी और अपनी लाड़ली बेटी को अपनी इस शक्ति के बारे में बताने के लिए अपने महल की ओर चल दिया। रास्ते में उसने कई पत्थर और कंकड़ को छूते हुए और उन्हें सोने में बदलते हुए देखा। जब राजा अपने महल पंहुचा तो उसकी बेटी उसे बधाई देने के लिए दौड़ी। जैसे ही वह उसे अपनी बाहों में लेन के लिए नीचे झुका, छूते ही बेटी एक सोने की मूर्ति में बदल गई। राजा तबाह हो गया और रोने लगा और अपनी बेटी को वापस लाने की कोशिश करता रहा। उसे अपनी मूर्खता और लालच का एहसास हुआ। अब वो अपनी शक्ति से छुटकारा पाना चाहता था। उसने अपने बाकी दिनों को अपनी इच्छा को दूर करने के लिए परी की खोज में बिताया।

कहानी से शिक्षा-लालच करना अच्छी बात नहीं है। लालच हमेशा पतन की ओर ले जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष - कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ - दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन - जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क - कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी।

सिंह - शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या - संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला - थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक - प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

धनु - कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर - कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं।

कुम्भ - कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन - दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

लीक हुई रॉकी और रानी की स्टोरी

फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपने जन्मदिन के खास मौके पर अपनी आने वाली फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का फर्स्ट लुक शेयर किया था। फिल्म में आलिया और रणवीर सिंह लीड रोल करते दिखेंगे। दोनों का लुक फैंस को बेहद पसंद आया है। अब इस बीच खबर है कि फिल्म का स्टोरी स्लॉट लीक हो गया है। मेकर्स के लिए ये काफी बुरी खबर है।

रेडिट पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का प्लॉट लीक हो गया है। एक यूजर ने फिल्म की पूरी कहानी को खोल कर रख दिया है। उसने लिखा है कि फिल्म में दिल्ली का बैकग्राउंड है। रणवीर सिंह एक बिगड़े अमीरजादे लड़के की भूमिका में दिखाई देंगे। वहीं दूसरी तरफ, आलिया भट्ट ईमानदार ऑडिटर्स के परिवार की एक बंगाली लड़की हैं। हालांकि इससे यह पता तो नहीं

चलता कि फिल्म की कहानी क्या है। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani का पोस्टर शेयर किया था। पोस्टर में रणवीर और आलिया की फिल्म वाली फैमली भी नजर आ रही है। पहले पोस्टर में रणवीर यलो कलर के बाथरोब में दिखाई दे रहे हैं।

वहीं उनके साथ जया बच्चन, धर्मेंद्र और रॉनित रॉय भी दिख रहे हैं। वहीं आलिया सफेद साड़ी में दिख रही हैं, उनके साथ शबाना आज्मी भी नजर आ रही हैं।

करण ने कैप्शन में लिखा है मिलिए रंधावा और चटर्जी फैमली से। उनके कैप्शन से पता चल रहा है कि कहानी दो अलग-अलग फैमली की होने वाली है, जिनका कल्चर बिल्कुल अलग है। अब जब पंजाबी और बंगाली फैमली आमने-सामने आती है तो क्या हंगामा होता है,ये तो फिल्म देखने के बाद ही पता चलने वाला है। फिल्म 28 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

कलयुग में पाप बढ़ाने आ गया 'असुर'

20 20 में जब लॉकडाउन लगा, तो ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म और सीरीज हमारे एंटरटेनमेंट का बड़ा सहारा बनीं। इस दौरान वूट पर एक क्राइम-थ्रिलर सीरीज आई, नाम था असुर। अरशद वारसी और बरुन सोबती स्टारर वेब शो लोगों को खूब पसंद आया। शो की कहानी ने सभी पर ऐसा प्रभाव डाला कि इसके दूसरे सीजन की मांग होने लगी। इंतजार खत्म हुआ है। 1 जून को असुर का दूसरा सीजन रिलीज हो चुका है। हालांकि, इस बार सीरीज वूट पर नहीं, बल्कि जियो सिनेमा पर स्ट्रीम हुई है।

असुर 2 के दूसरे पार्ट की शुरुआत वहीं से होती है, जहां से इसका पहला सीजन खत्म हुआ था। असुर के पहले सीजन के अंत में हमने देखा था कि छोटी सी उम्र में सीरियल किलर शुभ जोशी जेल चला जाता है। पर जेल जाकर उसके अंदर का राक्षस मरा नहीं है, बल्कि बड़ा होकर वो पहले से ज्यादा खतरनाक बन चुका है। शुभ कलयुग में बेकसूर लोगों की हत्या करके धरती पर

बॉलीवुड | **मसाला**

पाप बढ़ाना चाहता है। वो एक नये तरीके से लोगों की जान लेकर अपराध को अंजाम दे रहा है। वहीं दूसरी तरफ सीबीआई और फॉरेंसिक एक्सपर्ट धनंजय कपूर (अरशद वारसी) और निखिल नायर (बरुन सोबती) कलयुग में पैदा हुए असुर को रोकने की कोशिश में लगे हुए हैं। निर्दोश लोगों की जान बचाने के लिए निखिल अपनी बेटी की जान की कुर्बानी भी दे देता है, लेकिन फिर भी शुभ को पकड़ने में कामयाब नहीं हो पाता। असुर लगातार लोगों की जान ले रहा और सीबीआई की टीम लगातार लाचार बनी हुई है। निखिल नायर और उसकी टीम की नाकाम कोशिश के चलते सीबीआई की टीम भी बदल गई है। हालांकि, पुरानी टीम के कुछ लोग अब अभी इस केस का हिस्सा हैं। देखना होगा कि निखिल और धनंजय एक साथ आकर कलयुग में हो रही हत्याओं को रोकने में कामयाब होंगे या नहीं? क्या खुद को कली कहने वाले शुभ के पापों का अंत होगा? जानने के लिए असुर 2 देखना होगा।

कई बार होता है कि सुपरहिट सीरीज के दूसरे सीजन की कहानी से आप कनेक्ट नहीं कर पाते। पर असुर 2 के साथ ऐसा नहीं है। असुर 2 की शुरुआत ही पहले सीजन के अंत से होती है। असुर 2 के पहले तीन एपिसोड आपको सीरीज से जोड़े रखते हैं। स्क्रीन पर कलयुगी असुर की स्मार्टनेस, मर्डर और सस्पेंस असुर 2 को दमदार बनाता है। सीरीज देखकर आपको आगे कहानी जानने की चाह होती है। सीरीज में पहले से ज्यादा ट्विस्ट एंड टर्न हैं, जो आपको बोर नहीं देते हैं।

बॉलीवुड | **मन की बात**

मुझे ऐसी कहानियां करना पसंद हैं जो आम इंसान को दर्शाती हों : शोभिता

शोभिता धुलिपाला को पोन्नियिन सेलवन- द्वृ में वनथी की भूमिका निभाते हुए देखा गया था। वहीं, ओटीटी पर शोभिता धुलिपाला मेड इन हेवन और नाइट मैनेजर जैसी सीरीज में नजर आ चुकी हैं। शोभिता धुलिपाला ने बताया कि नाइट मैनेजर का पार्ट 2 कुछ दिनों में रिलीज होगा। बता दें, शोभिता धुलिपाला जल्द ही एक हॉलीवुड मूवी में भी नजर आएंगी। शोभिता धुलिपाला से पूछा गया कि वो किस आधार पर अपने रोल का चुनाव करती हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि जब मैंने करियर की शुरुआत की थी, तब इस इंडस्ट्री में किसी को नहीं जानती थी। किसी से जान-पहचान नहीं थी, तो ऐसा नहीं था कि मैं ये कह सकती थी कि मुझे ये करना है। करियर की शुरुआत जो रोल्स मुझे ऑफर किए गए, उन्हें मैंने निभाया। हालांकि, उन्होंने कहा कि मुझे ऐसी कहानियां करना पसंद हैं जो आम इंसान को दर्शाती हों। शोभिता ने फेमिना मिस इंडिया 2013 पेजेंट में फेमिना मिस इंडिया अर्थ 2013 का खिताब जीता है। साथ ही, मिस अर्थ 2013 में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। शोभिता ने अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत कॉलेज के दिनों में की थी। मॉडलिंग के दिनों की बात करते हुए शोभिता ने कि ग्रेजुएशन खत्म करने के बाद उन्होंने मास्टर्स डिग्री के लिए दाखिला लिया था। इसी दौरान उन्होंने मिस इंडिया में हिस्सा लिया और खिताब जीता। उन्होंने कहा कि मैंने इस बारे में ज्यादा सोचा नहीं था। जब मैं मॉडलिंग कर रही थी, तो उससे मुझे बहुत ज्यादा संतुष्टि नहीं मिल रही थी। उन्होंने बताया कि वो खुद को रचनात्मक रूप से व्यक्त करना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने विज्ञापनों के लिए ऑडिशन देना शुरु कर दिया। इस के माध्यम से उन्होंने फिल्मों के लिए भी ऑडिशन देना शुरु किया। उन्होंने बताया कि जब वो ऑडिशन दे रही थीं, तब ही उन्हें पता चल गया था कि वो एक्ट्रेस बनना चाहती हैं। मलयाली, तेलगु और हिंदी फिल्मों में काम करने के बाद अब शोभिता धुलिपाला हॉलीवुड की फिल्म मंकीमैन में नजर आएंगी। मंकी मैन एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे पॉल अंगुनावेला, जॉन कोली द्वारा लिखा गया है। वहीं, इसका निर्देशन देव पटेल द्वारा किया जाएगा।

मध्य प्रदेश की पहाड़ियों में स्थित है खूनी कुंड, जिससे निकलता है साफ पानी

हमारा देश विविधताओं वाला देश है। यहां मौजूद कई चीजें आज भी लोगों के लिए आश्चर्य का विषय बनी हुई हैं। इन जगहों सच्चाई आज तक सामने नहीं आई। मध्य प्रदेश में भी एक ऐसी ही जगह है। जो आज भी रहस्य बनी हुई है। मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक शहर बुरहानपुर में एक खूनी कुंड है। जो आज भी रहस्य बना हुआ है। इस कुंड से ऐसी चीज निकलती है जो लोगों को हैरत में डाल देती है। इस शहर के बारे में कई किस्से-कहानियां आज भी प्रचलित हैं। इस शहर का इतिहास से कुछ खास ही नाता रहा है। जानकारी के मुताबित मध्य प्रदेश की सतपुड़ा की पहाड़ियों के पास स्थित ये कुंड सदियों पुराना है। करीब 400 साल पुराना ये कुंड कुंडी भंडारा या खूनी भंडारा के नाम से जाना जाता है। इस कुंड की एक खासियत ये है कि इसे खूनी कुंड के नाम से जरूर जाना जाता है। लेकिन इसमें खून नहीं होता। बल्कि बिल्कुल साफ पानी भरा है। इस कुंड का पानी एकदम हिमालय की पिघली हुई बर्फ के समान होता है। यहां पर एक भूल-भुलइया भी है। जहां पर कुछ डरावना नहीं बल्कि ये कुंड स्थित है। जिसमें देश का सबसे शुद्ध पानी भरा रहता है। बता दें कि इस कुंड में जो पानी भरा हुआ है वो कभी खत्म नहीं होता है। यह पानी सतपुड़ा की पहाड़ियों से रिसकर यहां आता है। यही नहीं यह पानी इतना शुद्ध है कि इसे पूरे शहर में सप्लाई किया जाता है। यहां नलों की तरह कुंडियां बनी हुई हैं जिन्हें कुंडी भंडारा कहा जाता है। कुंड का ये पानी जल्द खराब भी नहीं होता। ये पानी देश में मिलने वाले महंगे से महंगे बोतल बंद पानी से भी ज्यादा शुद्ध होता है।

अजब-गजब | सिक्योरिटी कैप्टन की है कुत्ते की पोस्ट

कुत्ते को भी मिली नौकरी! 35 हजार मिलती है सैलरी

अब तक आपने इंसानों को ही नौकरी पर जाते देखा या सुना होगा विज्ञान और तकनीक बढ़ने के बाद रोबोट भी रेस्टोरेंट से लेकर कुछ दफ्तरों में भी काम संभालने लगे हैं लेकिन शायद ही आपने कभी किसी जानवर को बाकायदा सैलरी लेकर काम करते हुए देखा या सुना होगा। आज हम आपको एक ऐसी कंपनी के बारे में बताएंगे, जिसने कुत्ते को नौकरी पर रखा है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन एक पेट सप्लाईज फर्म ने एक कुत्ते को नौकरी पर रखा है। नौकरी भी कोई फोकट की नहीं है, कुत्ते को इसके बदले हर महीने सैलरी दी जाती है। इसकी एक सैलरी स्लिप जब कंपनी ने सोशल मीडिया पर शेयर की तो ये खबर वायरल हो गई क्योंकि अब तक किसी ने भी जानवर को सैलरीड एम्प्लॉयी के तौर पर नहीं देखा था। ये घटना चीन के गुआंगडॉन्ग प्रांत की है। यहां पालतू जानवरों के लिए उत्पाद बनाने वाली एक कंपनी ने अपनी फर्म में एक कुत्ते को नौकरी दी है। कुत्ते की पोस्ट सिक्योरिटी कैप्टन की है और उसे इसके लिए हर महीने 3000 युआन यानि 35 हजार रुपये की सैलरी मिल रही है। उसकी फरवरी महीने की सैलरी स्लिप चीन के सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी है। वैसे तो उसे पूरी तनख्वाह मिलती है लेकिन उस महीने

में 1200 युआन काटे गए थे क्योंकि उसने कंपनी की प्रॉपर्टी का नुकसान किया था।

कुत्ते का नाम बिग ब्यूटी है और उसकी सैलरी रिम्बर्समेंट के तौर पर मिलती है। उसे अच्छा खाना खिलाया जाता है। वैसे तो फर्म में कुछ और जानवरों को भी रखा गया है, लेकिन सैलरी सिर्फ इसी कुत्ते को दी जाती है। वो 7 साल से यहां काम करता है। वो कंपनी में पहले काम कर रहे डोरमैन का पालतू कुत्ता था, जिसकी मौत के बाद कंपनी ने उसे नौकरी पर रखा। कुत्ता दरवाजे पर नजर रखने, चूहे पकड़ने, नए उत्पाद के ट्रायल जैसे कामों के लिए परफेक्ट है।

प्रधानमंत्री बहुत जिद्दी आदमी : गहलोत

» ईआरसीपी प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करें मोदी

» मोदी जी राजस्थान दिवालिया नहीं होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाड़मेर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बाड़मेर में प्रधानमंत्री पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री बहुत जिद्दी आदमी हैं। पीएम मोदी ईआरसीपी प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं कर रहे हैं। मुझे उम्मीद थी अजमेर में 13 जिलों के लिए इस परियोजना की वो घोषणा करेंगे, लेकिन घोषणा नहीं की। गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से कांग्रेस सरकार की स्कीमों से राज्य का दिवाला निकल जाने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कर्जा लेकर दुनियां भर में सरकारें चलती हैं।

यह वित्तीय प्रबंधन होता है। मैं पीएम मोदी से पूछना चाहता हूं कि 2014 में बीजेपी की सरकार जब बनी थी। तब भारत सरकार पर 55 लाख करोड़ का कर्जा था, जो आज बढ़कर 155 लाख करोड़ हो गया है। मोदी सरकार कर्जा कैसे ले रही है। बिना भारत सरकार की परमिशन के कोई भी राज्य सरकार एक लाख रुपये तक का कर्जा नहीं ले सकती है। वह तभी आपको कर्जा देते हैं,जब आपका वित्तीय प्रबंधन शानदार हो। पैरामीटर शानदार हो। कितना रिवेन्यू आ रहा है, कितना विकास के लिए खर्च कर रहे हैं। इन सभी को देखने के बाद ही कर्जा मिलता है।

सीएम ने कहा- मोदी जी राजस्थान दिवालिया नहीं होगा, आपके मंत्रियों के दिमाग का दिवालियापन निकल गया है, आप उसे ठीक करो। उन्हें ठीक करके उनको समझाओ कि मंत्री रहना है तो संजीवनी वाला मामला निपटाओ। गहलोत बोले- प्रधानमंत्री को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को धमकी देकर कहना चाहिए कि मैं मंत्री पद से बर्खास्त कर दूंगा या फिर मंत्री नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देकर कहे कि मैंने गलती कर दी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के इथोपिया और ऑस्ट्रेलिया में फार्म हाउस हैं। वो पैसा कहां से आया ? अगर अलग है तो वह जनता को बताएं कि वह पैसा अलग था और यह पैसा अलग लगा है।

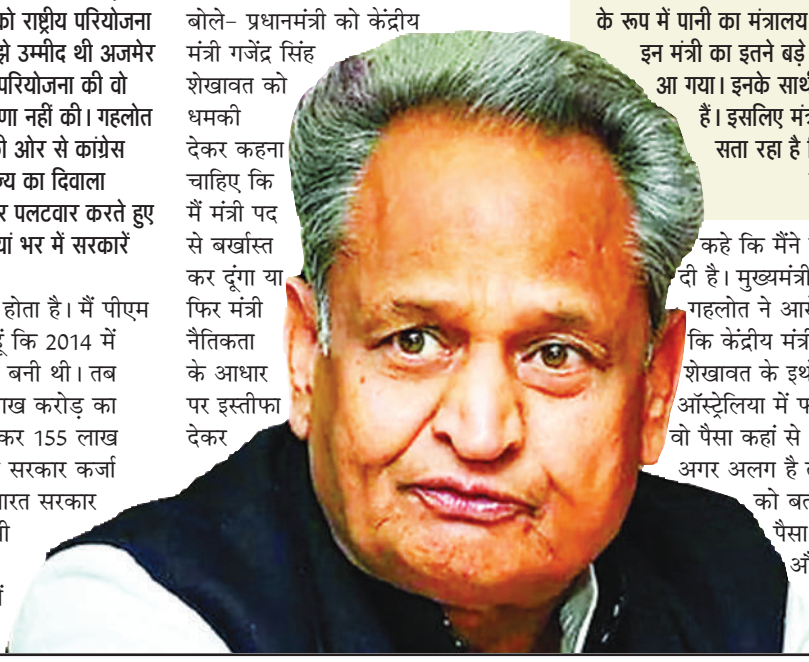

मंत्री को भी डर सता रहा है कि कहीं जेल नहीं हो जाए

गहलोत बोले- संजीवनी मामले में दो-ढाई लाख परिवार बर्बाद हो गए। तीन बार पीड़ित मेरे पास आए और उन्होंने अपने किस्से सुनाए, तो मैं खुद भावुक हो गया। गजेंद्रसिंह शेखावत को जलशक्ति मंत्री के रूप में पानी का मंत्रालय दिया है और इन मंत्री का इतने बड़े गबन में नाम आ गया। इनके साथी जेल में बैठे हैं। इसलिए मंत्री को भी डर सता रहा है कि कहीं जेल नहीं हो जाए।

पीएम की एक रैली से उड़ी सीएम की नींद : जोशी

जयपुर। केंद्र सरकार के 9 साल के कार्यकाल पर बात करते हुए भाजपा प्रदेश सीपी जोशी ने राज्य की गहलोत सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अजमेर की एक रैली से ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की नींद उड़ गई, अभी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में आना ठीक से शुरू भी नहीं किया। जोशी ने कहा कि जो मुख्यमंत्री गहलोत कहते हैं कि भाजपा योजनाओं को बंद कर देगी वो पहले ये बताए कि भमाशाह योजना को चिरंजीवी किसने बनाया? सीपी जोशी ने कहा कि हमारी अन्नपूर्णा योजना को इंदिरा रसोई किसने बनाया, आपका प्रेम है इंदिरा जी से है तो नई योजना लाते मां अन्नपूर्णा का नाम बदलकर योजना को लाना यह धोका है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जोशी ने कहा- हमारे मार्डन स्कूल को महात्मा गांधी स्कूल बनाकर किसने जनता को गुमराह किया। इसका जवाब दे मुख्यमंत्री तो पता चलेगा कि जन हितकारी योजना लाने का श्रेय किसको है। जोशी ने कहा कि सभी योजना हमारी सरकार की थी जिनका नाम बदलकर जनता को गुमराह कर रहे है। जोशी ने कहा आज जो भी योजना राजस्थान में लागू हैं, उसमे पैसे किसके लगे है मुख्यमंत्री जरा जनता को ये बताएं। सीएम गहलोत गैस सिलेंडर में जो वाहवाही ले रहे है उसमे 200 रुपये केंद्र सरकार के हैं। चिरंजीवी योजना में जो पैसे लगे हैं वो आयुष्मान भारत योजना के हैं। प्रदेश की जनता को मुख्यमंत्री बताएं कि केंद्र के बिना कोई भी योजना राजस्थान में संभव नहीं है।

मध्यप्रदेश व यूपी में रेवड़ियां बांट रहे पीएम

पीएम मध्यप्रदेश, यूपी में रेवड़ियां बांटते फिर रहे जबकि हमारी स्कीमें परमानेंट सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने अजमेर में कहा कि राजस्थान में जैसी स्कीमें बनी हैं, वैसी स्कीम्स देश में बने, तो देश देवालिया हो जाए। लेकिन प्रधानमंत्री जी में आपसे पूछना चाहता हूं कि आप मध्यप्रदेश, यूपी में रेवड़ियां बांटते फिर रहे हो। जबकि हमारी स्कीमें परमानेंट है, क्योंकि मैंने कहा 25 लाख रुपये का चिरंजीवी योजना में बीमा होगा। यह 25 से 30 होंगे, 25 से 20 लाख नहीं होंगे। हमने राइट टू हेल्थ बिल भी विधानसभा में पास किया है।

मान सरकार को कोर्ट का आदेश सिद्धू को एक महीने में दे सुरक्षा

» लॉरेंस विश्नोई से मिली है धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की ओर से दी गई धमकी को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू की सुरक्षा पर एक महीने में फैसला लेने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर आवश्यक हो तो सिद्धू की सुरक्षा में बढ़ोतरी की जाए। इस आदेश के साथ ही हाईकोर्ट ने सिद्धू की याचिका का निपटारा कर दिया।

लॉरेंस ने पंजाब के दो नेताओं राजा वड़िंग व सिद्धू को टारगेट बताया था। याचिका में नवजोत सिंह सिद्धू ने बताया है कि उन पर खतरे का आंकलन करने के बाद केंद्र सरकार ने उन्हें जेड प्लस सुरक्षा दी थी। रोड रेज केस में एक साल की सजा के बाद उनकी सुरक्षा वापस ले ली गई थी। तब उन्हें विश्वास दिलाया गया था कि जब वह जेल से वापस आएंगे तो उनकी सुरक्षा को बहाल कर दिया जाएगा, जबकि ऐसा नहीं किया गया।

मणिपुर में फिर हिंसा गोलीबारी में 15 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मणिपुर दौरे के बाद पश्चिमी इंफाल जिले के दो गांवों में हथियारों और बमों से लैश कुकी उग्रवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 15 लोग गायल हो गए। फयेंग और कांगचुप चिंगखोंग दो गांवों में तैनात राज्य पुलिस और मणिपुर राइफल्स के कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई भी की। शुक्र वार की रात चार घंटे से भी अधिक समय तक दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। इस मुठभेड़ में पुलिस ने उग्रवादियों को पास की पहाड़ियों में खदेड़ दिया। इस मुठभेड़ में घायल हुए लोगों को इंफाल के रिजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस और राज मेडिसिटी ले जाया गया। दो लोगों की हालत फिलहार गंबीर बताई जा रही है। पिछले 24 घंटों में नए हिंसा की घटना पोंबिखोक से सामने आई है। हालांकि इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। मणिपुर पुलिस, असम रायफल्स और सीमा सुरक्षा बल के संयुक्त टीमों ने काकचिंग के सुगनु सेराओ क्षेत्र से सात शव बरामद किए। पुलिस ने बताया कि शवों को जेएनआईएमएस के मोर्ग में रखा गया है। ये सभी पिछले सप्ताह सुगनु में हुए हिंसा के दौरान चली गोलीबारी में मारे गए थे।

पूर्व में गर्मी, पश्चिम में आंधी-पानी के आसार

» विक्षोभ का असर अगले दो दिनों तक जारी रहेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 1 जून से शुरू हुए आंधी-पानी के रविवार तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जारी रहने के आसार हैं। पश्चिमी यूपी के कई हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने के आसार हैं।

शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेशभर में मौसम के अलग-अलग रुख नजर आ रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेज हवा के साथ गरज चमक और बारिश हो रही है तो पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्म हवा के थपेड़े चल रहे हैं, जिससे तापमान बढ़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार रविवार तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आंधी पानी के आसार बने रहेंगे।

जोकोविच फ्रेंच ओपन के प्री-क्वार्टरफाइनल में

» वर्ल्ड नंबर-3 जेसिका पेगुला हारकर बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। फ्रेंच ओपन में जोकोविच ने तीसरे राउंड में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराकर आगे कदम बढ़ा दिया है। वहीं उलटफेर का सिलसिला जारी है। विंमेंस की वर्ल्ड नंबर-3 अमेरिका की जेसिका पेगुला तीसरे दौर में हार कर बाहर हो गई हैं। वहीं वर्ल्ड नंबर-2 आर्यना सबालेंका ने भी चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। जेसिका पेगुला को बेल्जियम की एलिसे मर्टेंस ने तीसरे दौर में 6-1, 6-3 से हरा कर फ्रेंच ओपन से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

वहीं वर्ल्ड नंबर-2 आर्यना सबालेंका चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। तीसरे दौर के मुकाबले में उन्होंने रूस की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-2 से पराजित किया। वहीं मेंस में नोवाक जोकोविच 14वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंच गए हैं। उन्होंने 29वीं सीड एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को 7-6(4), 7-6(5), 7-6(5) से हराया। 3 घंटे 36 मिनट तक चले इस मुकाबले में जोकोविच को जीतने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। शुरुआती 2 सेटों में फोकिना ने जोकोविच को कड़ी टक्कर दी। फोकिना 6-7, 6-7 के काफी नजदीकी अंतर से हारे। वहीं पहला सेट ही करीब 85 मिनट तक चला। जोकोविच ने अब प्री-क्वार्टरफाइनल में एंट्री कर ली है, जहां उनका मुकाबला पेरू के जुआन पाब्लो वारिलास या पौलेंड के हुबर्ट हुर्काज से होगा।

नोवाक के पास नडाल का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-1 रह चुके नोवाक जोकोविच के पास सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने में राफेल नडाल को पीछे छोड़ने का मौका है। दोनों ने अब तक बराबर 22-22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। नडाल चोट की वजह से फ्रेंच ओपन से बाहर हैं। ऐसे में जोकोविच अगर फ्रेंच ओपन को जीत लेते हैं तो वह नडाल को पीछे छोड़ सकते हैं।

30 करोड़ दहेज न मिलने पर घर से निकाला

लखनऊ के प्रतिष्ठित परिवार से जुड़ी महिला ने कराई ससुराल वालों पर एफआईआर, पति और जेठ फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के प्रतिष्ठित परिवार से जुड़ी एक महिला ने अपने ससुराल वालों पर दहेज न पूरा करने पर मारपीट कर घर से निकालने की शिकायत पुलिस से की है। महिला का आरोप है कि ससुरालियों ने 30 करोड़ रुपये दहेज की मांग पूरी न होने पर उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। उधर महानगर थाना पुलिस ने महिला के पति, सास व जेठ के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हालांकि पति करन चन्दा व जेठ अमन चन्दा फरार हो गये हैं। वहीं डीसीपी सेंट्रल जोन ने कहा कि पीड़िता की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पीड़िता का आरोप है कि उसके माता-पिता ने महंगे उपहार दिए और 2010 में एक भव्य शादी का आयोजन करने के बावजूद उसे अधिक दहेज के लिए परेशान किया जा रहा था। रिश्तेदारों ने कई बार मामला सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नाकाम रहे।

2010 में करन चन्दा से हुई थी शादी

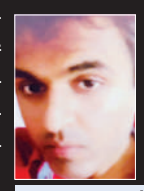

पति करन चन्दा | जेठ अमन चन्दा

न्यू हैदराबाद निवासी 40 वर्षीय महिला की शादी वर्ष 2010 में करन चंदा से हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल पहुंचने के बाद से ही सास बेला चंदा का रवैया ठीक नहीं था। वह आए दिन कम दहेज लाने पर ताने देने लगीं। महिला ने मां को इस बारे में जानकारी दी। इसके बाद 50 लाख रुपये करन व उसकी मां बेला को दिए गए। साथ ही मामा ने अपने संपर्क का इस्तेमाल कर एक ठेका करन को दिलाया। इससे करीब चार करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। उसने आरोप लगाया, वे मुझे यह कहते हुए ताना मारते थे कि इतने प्रमुख परिवार में शादी करने का कोई फायदा नहीं है क्योंकि उन्हें केवल साधारण दहेज मिला है। पीड़िता ने कहा कि उसे अपने मामा से अपने पति के लिए ठेका लेने के लिए कहने के लिए मजबूर किया गया था और उसने अपनी शादी बचाने के लिए ऐसा किया। एक दिन मेरी सास ने मुझे थप्पड़ मारा और मुझे मेरे बालों से खींच लिया, जबकि मेरे पति ने मुझे नीचे धकेल दिया। उसने आरोप लगाया कि ससुराल वालों की मांग माने जाने के बाद भी उसे परेशान किया जाता रहा। पीड़िता ने पति पर जबरदस्ती शराब पिलाने का भी आरोप लगाया।

2015 में मारपीट से हुआ था गर्भपात

उसने आरोप में बताया कि वर्ष 2015 में गर्भवती होने पर पति और सास की मारपीट से गर्भपात हो गया। वर्ष 2016 में ससुरालियों की मारपीट से उसका दोबारा गर्भपात हो गया। महिला का आरोप है कि वर्ष 2019 में उसके पिता को ब्रेन हेमरेज हुआ था। वह पिता की तीमारदारी करने लगी। इसका फायदा उठाते हुए पति ने दूसरी महिला से संबंध बना लिए। सच्चाई पता चलने पर विरोध किया तो पति करन ने मारपीट कर भगा दिया। प्रभारी निरीक्षक महानगर प्रशांत मिश्रा के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

पटना में स्वतंत्रता संग्राम ट्रेन पर हमला, कई जख्मी

» शराब तस्करों को छुड़ाने के लिए उपद्रवियों ने फेंके पत्थर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना के ब्लॉक चौराहा के पास झोपड़पट्टी में रहने वाले सौ से अधिक उपद्रवियों ने शनिवार सुबह झांसी से कोलकाता जा रही 22198 प्रथम स्वतंत्रता संग्राम एक्सप्रेस पर पथराव कर दिया। बताया जा रहा है कि ट्रेन के दो डिब्बों के टॉयलेट में शराब की खेप लेकर दो तस्कर जा रहे थे। इन्हीं को छुड़ाने को लिए उपद्रवियों ने ट्रेन पर हमला कर दिया।

बताया जा रहा है कि दोनों ने टॉयलेट को अंदर से लॉक कर लिया था। काफी देर से यात्री टॉयलेट का दरवाजा न खुलने से परेशान थे। यात्रियों ने इसकी सूचना ट्रेन में एस्कॉर्ट कर रही आरपीएफ की टीम को दी। आरपीएफ के जवानों ने टॉयलेट का दरवाजा खुलवाना चाहा, लेकिन तस्करों ने अंदर से दरवाजा नहीं खोला। इसके ट्रेन में हड़कंप मच गया। टॉयलेट में अपराधियों के छिपे होने की आशंका के बीच यात्री दहशत में आ गए। हो-हंगामें के बीच ट्रेन पटना के ब्लॉक चौराहा के पास पहुंची ही थी कि झोपड़पट्टी में रहने वाले असामाजिक तत्वों ने ट्रेन पर पथराव कर दिया।पथराव में ट्रेन के कई बोगियों का शीशा टूटा है। कुछ यात्रियों को चोटें भी आई है। आरपीएफ के जवान सभी बोगियों को लॉक कर रहे हैं ताकि लूटपाट न हो। आरपीएफ की तरफ से पटना जंक्शन से काफी संख्या में फोर्स भेजा गया है। रेल पुलिस के साथ ही स्थानीय थाने की पुलिस भी पहुंच गई है। आधे घंटे से हंगामा चल रहा है।

पांच जिलों के डीएम बदले गए

» एक दर्जन आईएएस अफसरों के तबादले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार ने पांच जिलों में जिलाधिकारियों सहित एक दर्जन आईएएस अफसरों की तैनाती में बदलाव किए हैं। सूत्रों के अनुसार, श्रावस्ती, औरैया, प्रतापगढ़, देवरिया और बागपत के जिलाधिकारी बदले गए हैं। अपर आयुक्त उद्योग कृतिका शर्मा श्रावस्ती की नई जिलाधिकारी होंगी।

बागपत के जिलाधिकारी राजकमल यादव अपर आयुक्त उद्योग बनाए गए हैं। प्रतापगढ़ के डीएम नितिन बंसल विशेष सचिव गृह बनाए गए हैं। जितेंद्र प्रताप सिंह को डीएम देवरिया के पद से स्थानांतरित कर डीएम बागपत बनाया गया है। 2010 बैच के आईएएस अफसर अखण्ड प्रताप सिंह को विशेष सचिव गृह से डीएम देवरिया बनाया गया है। 2012 बैच की आईएएस नेहा प्रकाश को डीएम श्रावस्ती से डीएम औरैया बनाया गया है। प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव अभी तक डीएम औरैया के पद पर तैनात थे। उन्हें प्रतापगढ़ जिले की कमान सौंपी गई हैं।

सात घंटे की जमानत पर सिसोदिया अस्पताल में भर्ती पत्नी से मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया अपनी पत्नी से मिलने अपने दिल्ली स्थित आवास पर पहुंच गए हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने कल उन्हें अपनी बीमार पत्नी से सुबह 10 बजे से आज शाम 5 बजे तक मिलने की अनुमति दी थी। हालांकि अब बड़ी खबर सामने आ रही है कि मनीष सिसोदिया घर पहुंचकर भी पत्नी से नहीं मिल सके क्योंकि उनके पहुंचने से पहले ही तबीयत बिगड़ने के चलते सीमा सिसोदिया को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

हालांकि, अदालत ने इस छूट के साथ ही कुछ शर्तें भी रखी हैं जिनका पालन मनीष सिसोदिया को करना होगा। अदालत ने कहा है कि इस दौरान सिसोदिया मीडिया से बातचीत नहीं करेंगे। मोबाइल फोन और इंटरनेट का इस्तेमाल भी नहीं करेंगे। सिसोदिया की कानूनी टीम ने भी उनकी पत्नी की बीमारी का हवाला देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में अंतरिम जमानत याचिका दायर की। अंतरिम जमानत छह सप्ताह की जमानत देने के लिए अदालत के निर्देश की मांग कर रही है।

परिवार के अलावा नहीं मिलेगा कोई और सदस्य

यही नहीं सिसोदिया को अपने परिवार के सदस्यों के अलावा किसी से भी मिलने की अनुमति नहीं होगी। गौरतलब है कि कथित शराब घोटाला मामले में ईडी द्वारा दर्ज केस में सिसोदिया ने 10 दिन के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी सिसोदिया ने अंतरिम जमानत। ईडी ने 9 मार्च को तिहाड़ जेल में घंटों पूछताछ के बाद शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। सिसोदिया को सीबीआई ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (जीएनसीटीडी) की आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक मामले की चल रही जांच में फरवरी के अंत में गिरफ्तार किया था।

सीएम योगी ने सौ बसों को दिखाई हरी झंडी

परिवहन निगम के स्थापना दिवस पर दी प्रदेश को सौगात, यूपी के हर जिले से दिल्ली के लिए चलेंगी बसें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब यूपी के हर जिले से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लिए सफर आसान होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई सौ बसों को हरी झंडी दिखाई। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश के विभिन्न जनपद मुख्यालयों से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के लिए नई बसों को हरी झंडी दिखाई गई।

सफर को आसान और सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को 93 नई राजधानी सेवा एवं 07 साधारण बीएस-6 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के सभी जिले अब राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने के लिए परिवहन निगम ने दिल्ली तक राजधानी एक्सप्रेस बस सेवा चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों से 100 बस चलाई जाएगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन बसों को आज अपने आवास से हरी झंडी दिखाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की मंशा पर सभी जिलों से दिल्ली के लिए 100 बसें चलाई जाएंगी। यही नहीं, दिल्ली से दूर के जिलों में इन बसों की संख्या दो-दो होगी, जिससे संचालन में और आसानी होगी।

सामान्य बसों से 10 फीसदी अधिक होगा किराया

राजधानी एक्सप्रेस बस सेवा की डिमांड के अनुसार बसों की संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी। राजधानी एक्सप्रेस का किराया सामान्य बस सेवा से 10 फीसदी अधिक होता है, क्योंकि इन बसों का स्टॉपेज भी कम होता है। ये अन्य बसों की तुलना में तेज चलती हैं और कम समय में यात्रियों को अपने स्थान पर पहुंचाती हैं।

इस जिले से चलेंगी इतनी बसें

कानपुर से नई 10 राजधानी एक्सप्रेस बसें, प्रयागराज से 8, आजमगढ़ से 2, हरदोई से 10, बरेली से 8, वाराणसी, झांसी, मुरादाबाद, मेरठ से 2-2 बसें, गोरखपुर से 16, अयोध्या से 9, अलीगढ़ से 7, देवीपाटन से 4, सहारनपुर से 1 और आगरा से 7 बजें दिल्ली के लिए रोजना चलेगी। बता दें कि वर्तमान में लखनऊ परिक्षेत्र से 24 बसें दिल्ली के लिए रोजाना संचालित की जा रही हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।